

---

# Ganeshalila Stuti

गणेशलीलास्तुतिः

## Document Information

---

Text title : Ganeshalila Stuti

File name : gaNeshalIlAstutiH.itx

Category : ganेशa

Location : doc\_ganेशa

Proofread by : Aruna Narayanan narayanan.aruna at gmail.com

Latest update : September 29, 2019

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose. Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

September 29, 2019

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Ganeshalila Stuti

---

### गणेशलीलास्तुतिः

---



अद्विराजजयेष्ठपुत्रे गणेशे विघ्नहन्  
पद्मयुग्मदन्तलडुपात्रमाव्यहस्तक ।  
सिंहयुग्मवाहनस्थ भालनेत्रशोभित  
कल्पवृक्षदानदक्ष भक्तारक्ष रक्ष माम् ॥ १ ॥

येकदन्त वक्रतुण्ड नागयज्ञसूत्रक  
सोमसूर्यवह्निमेयमानमातृनेत्रक ।  
रत्नजालचित्रमालभालयन्द्रशोभित  
कल्पवृक्षदानदक्ष भक्तारक्ष रक्ष माम् ॥ २ ॥

वह्निसूर्यसोमकोटिलक्षतेजसाधिक-  
द्योतमानविश्वहेतिवेशिवर्गभासक ।  
विश्वकर्तृविश्वभर्तृविश्वहर्तृवन्दित  
कल्पवृक्षदानदक्ष भक्तारक्ष रक्ष माम् ॥ ३ ॥

स्वप्नभावभूतभव्यभाविभावभासक  
कालजालबद्धवृद्धभाललोकपालक ।  
ऋद्धिसिद्धिबुद्धिवृद्धिभुक्तिमुक्तिदायक  
कल्पवृक्षदानदक्ष भक्तारक्ष रक्ष माम् ॥ ४ ॥

मूषकस्थ विघ्नभक्ष्य रक्तवर्णमाव्यधृन्-  
मोदकादिमोदितास्यदेषवृन्दवन्दित ।  
स्वर्णदीप्तपुत्र रौद्ररूप दैत्यमर्दन  
कल्पवृक्षदानदक्ष भक्तारक्ष रक्ष माम् ॥ ५ ॥

ब्रह्मशम्भुविष्णुशिष्यसूर्यसोमचारण-  
देषदैत्यनागयक्षलोकपालसंस्तुत ।  
ध्यानदानकर्मधर्मयुक्त शर्मदायक  
कल्पवृक्षदानदक्ष भक्तारक्ष रक्ष माम् ॥ ६ ॥

आदिशक्तिपुत्र विघ्नराज भक्तशङ्कर  
 दीनानाथ दीनलोकदैन्यदुःखनाशक ।  
 अष्टसिद्धिदानदक्ष भक्तवृद्धिदायक  
 कल्पवृक्षदानदक्ष भक्तरक्ष रक्ष माम् ॥ ७ ॥

शैवशक्तिसाङ्ग्ययोगशुद्धवाटिकीर्तित  
 भौद्धजैनसौरकार्मपाञ्चरात्रतर्कित ।  
 वल्लभादिशक्तियुक्त देव भक्तवत्सल  
 कल्पवृक्षदानदक्ष भक्तरक्ष रक्ष माम् ॥ ८ ॥

देवदेव विघ्ननाश देवदेवसंस्तुत  
 देवशत्रुदैन्यनाश शिष्यगुविघ्नकीर्तित ।  
 भक्तवर्गपापनाश बुद्धबुद्धिचिन्तित  
 कल्पवृक्षदानदक्ष भक्तरक्ष रक्ष माम् ॥ ९ ॥

ॐ गणेश लोकपालपूजिताङ्घ्रियुग्मक  
 धन्यलोकदैन्यनाश पाशराशिभेदक ।  
 रम्यरक्त धर्मसक्तभक्तार्थितपापहन्  
 कल्पवृक्षदानदक्ष भक्तरक्ष रक्ष माम् ॥ १० ॥

ये पठन्ति विघ्नराजभक्तिरक्तयेतसः  
 स्तोत्रराजमेनसोपमुक्तशुद्धयेतसः ।  
 षष्ठितार्थमुद्धिसिद्धिमन्त्रसिद्धभाषिताः  
 प्राप्नुवन्ति ते गणेशपादपद्मभाषिताः ॥ ११ ॥

इति गणेशलीलास्तुतिः समाप्ता ।

Proofread by Aruna Narayanan narayanan.aruna at gmail.com



Ganeshalila Stuti

pdf was typeset on September 29, 2019



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

